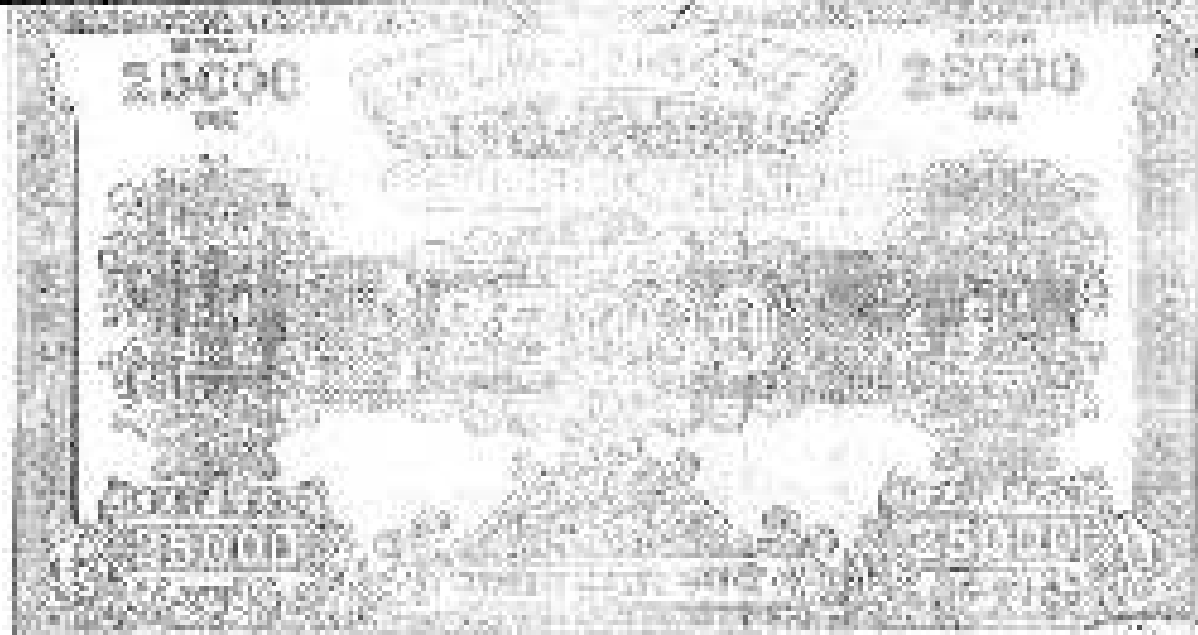
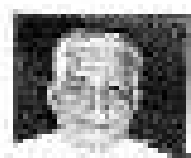
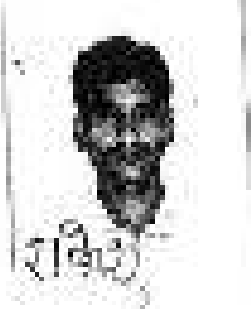
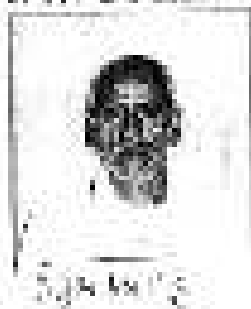




220

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

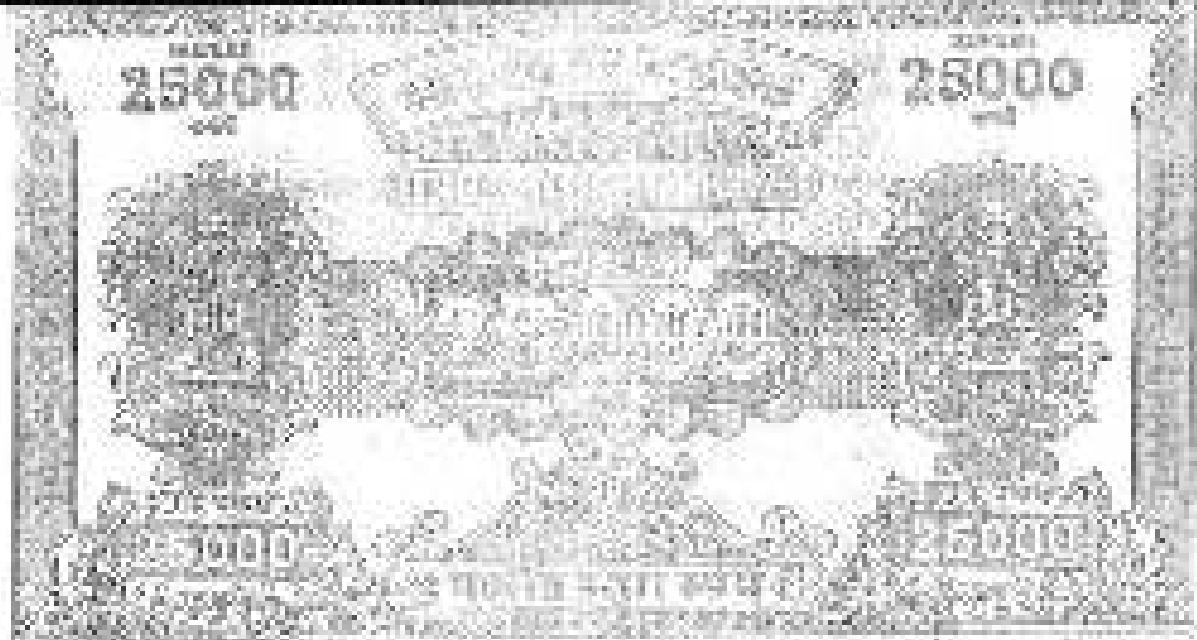


विषय-पत्र
संस्कृत पत्र का सांख्यिक विवरण

1.	पुस्तक का नाम	:	सूक्ति
2.	प्रकाशक	:	विश्वनाथ
3.	वर्ष	:	पुस्तकालय, पटना, पुरातन
4.	प्रकाशक का पता (अथवा)	:	पुस्तकालय संख्या-512, 513, 514, 515
5.	प्रकाशक का पता	:	पटना
6.	प्रकाशक का पता	:	पटना
7.	प्रकाशक का पता	:	पटना
8.	प्रकाशक का पता	:	पटना
9.	प्रकाशक का पता	:	पटना
10.	प्रकाशक का पता	:	पटना
11.	प्रकाशक का पता	:	पटना
12.	प्रकाशक का पता	:	पटना

सुखदेव - 110505 रविंद्र





उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

410506

बोझूरी

खसरा नं० 573

पूर्व	: खसरा संख्या-575
पश्चिम	: खसरा संख्या-570, 571
उत्तर	: खसरा संख्या-572
दक्षिण	: खसरा संख्या-574

खसरा नं० 575

पूर्व	: खसरा संख्या-606
पश्चिम	: खसरा संख्या-572, 573
उत्तर	: खसरा संख्या-577
दक्षिण	: खसरा संख्या-574

सुपरींटेंडेंट

सिकंदर



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

410607
10/10/2017
10/10/2017

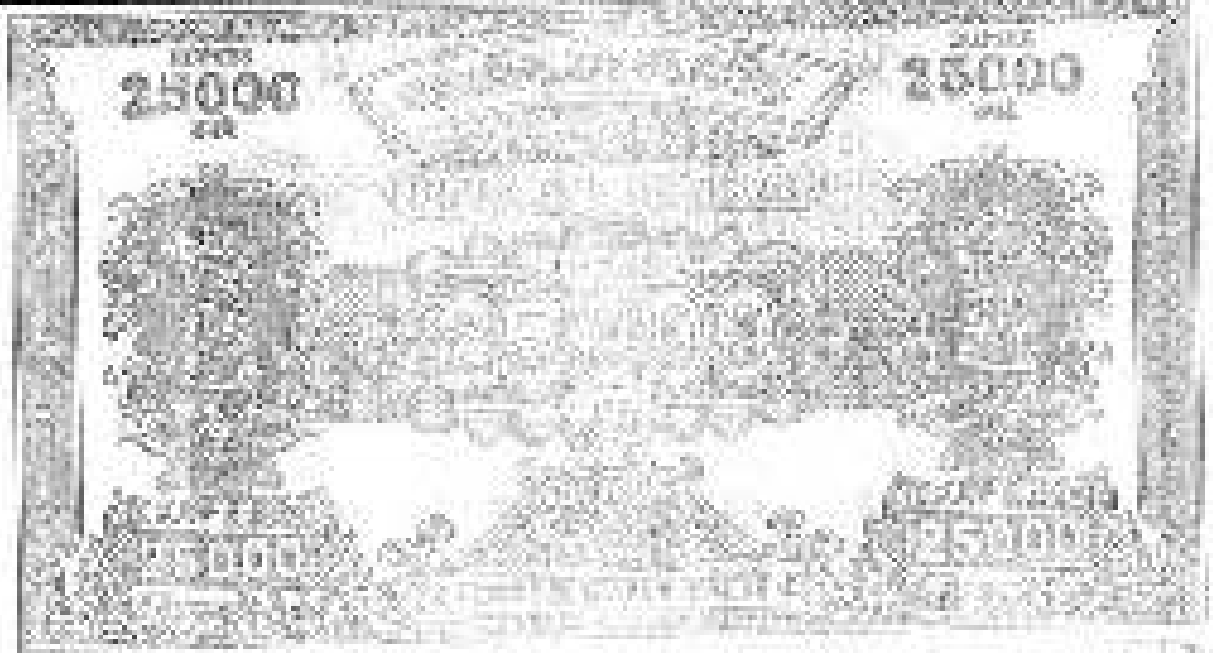
खसरा नं 572

पट्टा	: खसरा संख्या-576
परिचय	: खसरा संख्या-571
आवर	: खसरा संख्या-577
इतिहास	: खसरा संख्या-573

खसरा नं 577

पट्टा	: खसरा संख्या-576
परिचय	: खसरा संख्या-571
आवर	: खसरा संख्या-578, 503
इतिहास	: खसरा संख्या-572, 575

शुद्धी
25/10/17
रामेश्वर
25/10/17
25/10/17



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

410608

-4-

प्रथम पक्ष की संख्या-03

विलोनागण का विवरण

(1) गुरु प्रसाद (2) राम प्रसाद (3) राकेश कुमार पुत्रगण कलीराम, निवासीगण-मुहैया बाता का पुरवा, मठ हसनपुर लेवली, नरगना-बिजौरी, लखौली व जिला लखनऊ।

आवसाय - कृषि

द्वितीय पक्ष की संख्या-01

प्रेता का विवरण

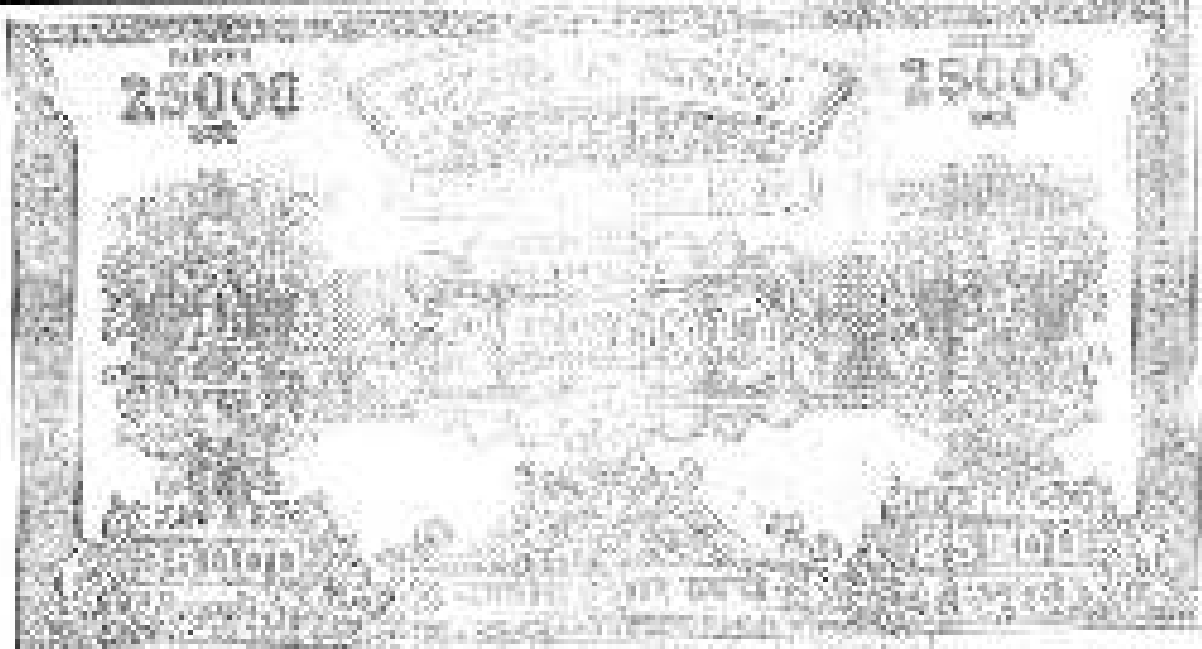
अमल प्रानदीन एण्ड इन्कलस्टवयर लिमिटेड द्वारा श्री अभिका प्रसाद द्विवेदी पुत्र बनी प्रसाद द्विवेदी, बरिठ प्रान्धक (साधनच), कर्नाल पता-तृतीय तल, बार्डिंगमण्डलीकरण बिल्डिंग, 18-टागा प्रताप मार्ग लखनऊ। व्यवसाय-खापाट

शुद्धी

शुद्धी

Shri Prasad & Associates Ltd.

शुद्धी



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

410609

1999

विक्रय विलेख

यह विक्रय विलेख (1) गुरु प्रसाद (2) राम प्रसाद (3) राजेश कुमार पुत्रगण धनीराम, निवासीगण-मुहैया बजारा का गुल्मा, मठ हसनपुर खैरती, पटना-बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ जिले आगे विलेखगण बना गया है। एवम् अन्ततः प्रापटीज एण्ड इन्फ्रान्टमचर लिमिटेड द्वारा श्री अम्बिका प्रसाद द्विवेदी पुत्र गंगा प्रसाद द्विवेदी, बटिष्ठ प्रबन्धक (सामान्य), वर्तमान पता-सुदीत ताल,

मु. अम्बिका

२ जून १९९९

एण्ड इन्फ्रान्टमचर लिमिटेड

२ जून १९९९



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

410610

- 6 -

- बाईपासमीयर्स विविध, 13-व्यां प्रताप मार्ग लखनऊ जिनमें जागे कला कहा गया है, को मरु निष्पादित किया गया।

शुद्ध कि विनिर्माण कृषि भूमि खसरा संख्या 573 रचना 0.061 हेक्टेयर, खसरा संख्या-575 रचना 0.483 हेक्टेयर, खसरा संख्या- 572 रचना 0.063 हेक्टेयर व खसरा संख्या-577 रचना 0.233 हेक्टेयर, कुल चार किला व कुल रचना 0.830 हेक्टेयर का 3/5 भाग जयल जयल विरय जयल रचना 0.498 हेक्टेयर, स्थित जयल मुजकट नगर मुसपल, पटना -विजलीर,

राजेश्वर

पुनर्प्राप्ति व निष्पादन



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

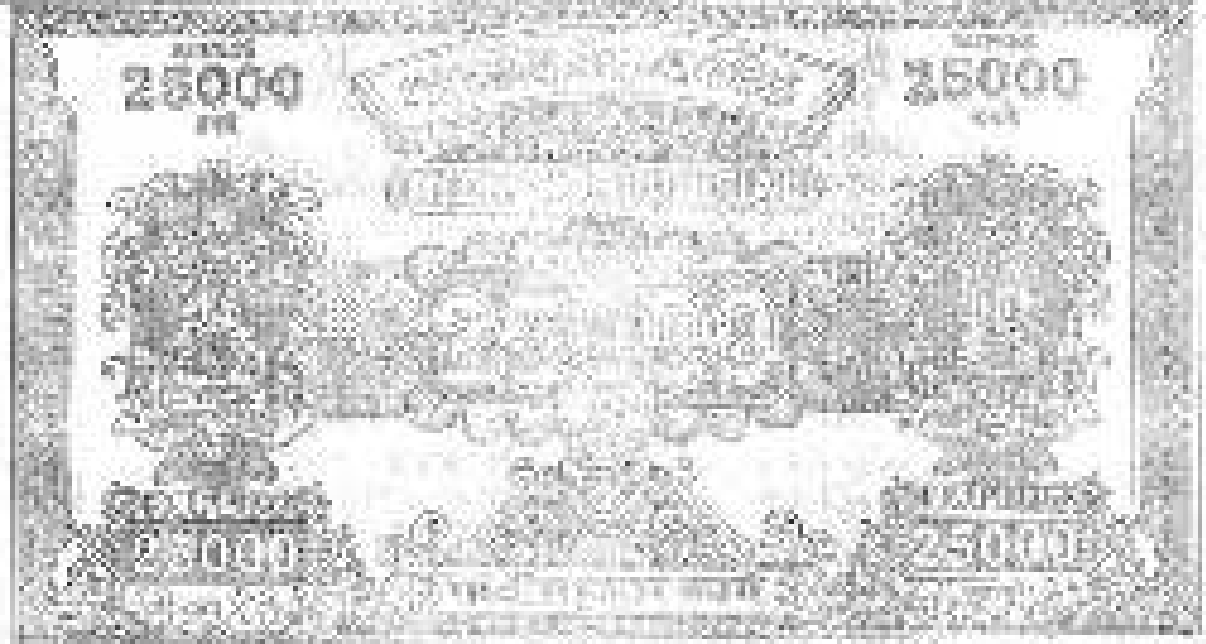
418541

2 445 200

१-

लकड़ील व किला लखनऊ के मालिक वगैरह व वगैरह हैं जो
विश्वनाथ की पत्नी सम्पत्ति है जो उन्हें वरासत प्राप्त हुई है
तथा समस्त संपत्ति पञ्चायत सभा खाली तम
संख्या-00038 के अनुसार कृषि भूमि विवेकानन्द के नाम अमल
इसमें ही कुछ है। स्वतः आराजी आज विवेकानन्द के पत्नी व
वस्तु मालिकता में संजुक्त है और जो कहीं विवेक, विवेक,
अण्णा, कुर्मी, व अण्णा आदि से मिली नहीं है, जहाँ आराजी
ने किसी अन्य व्यक्ति पर कोई स्वामित्व एवं अधिकार नहीं है और

रविशंकर



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

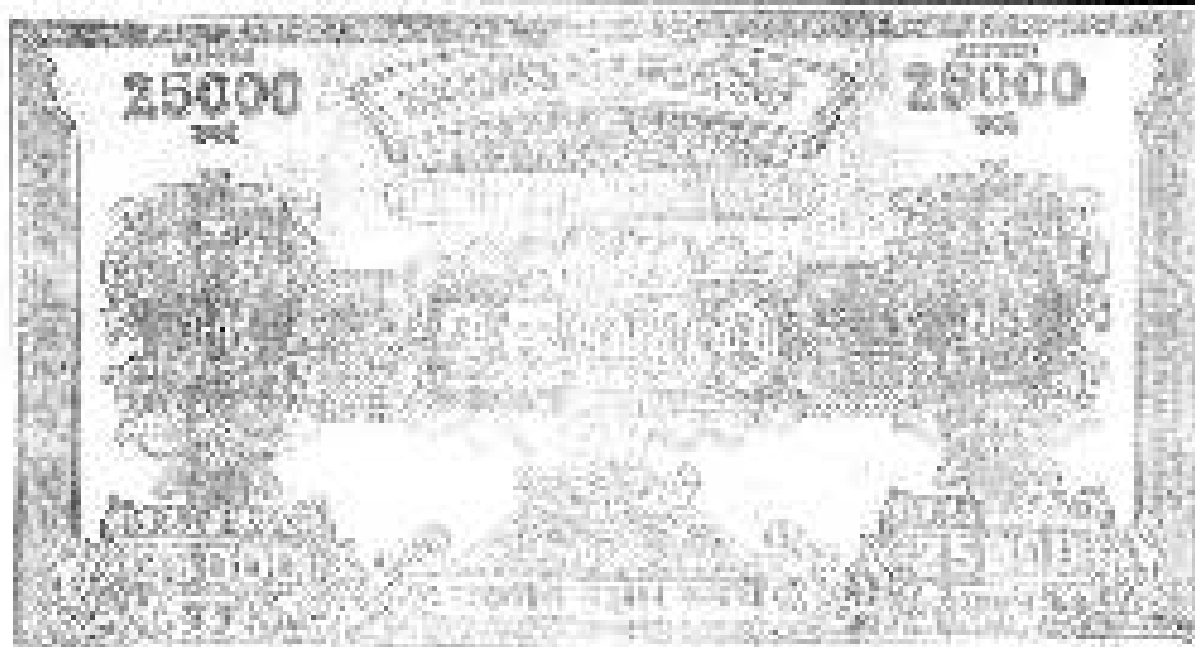
410612

2 400 120

- 8 -

न ही कोई व्यक्ति गरीब है, अब बजलत सुद विद्येताम्य के
 इसी आराजी लक्ष्मी उपरोक्त वरं पूर्ण लक्ष्मी एवं अधिकारी
 लक्ष्मी किता छोड़े किसी नीत व इय के लुभ लोभ व समझकर
 किता किसी लुभ के बावजुद सुलिंग लु 24 60 120/- (अथवा
 गरीब लाल लुभ लुभ एक सी बीस मात्र) में लुभ उपरोक्त को
 सब पढ़ाई किया, और कुल विद्येताम्य व लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
 लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
 लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी

410612 2 400 120
 लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
 लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

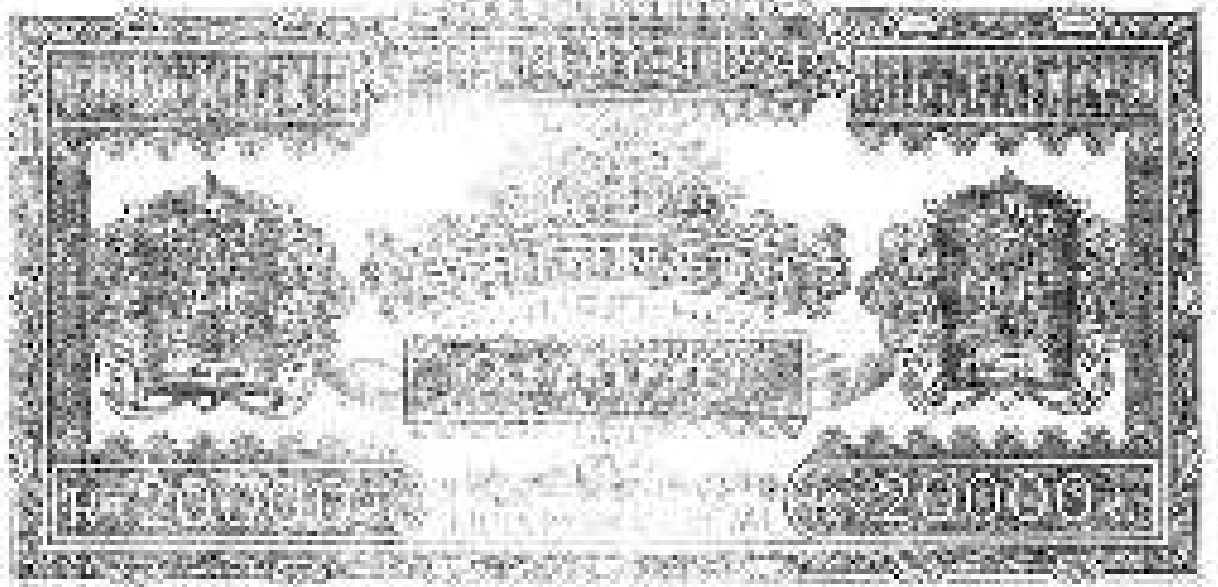
480613

2000 2000

-9-

तालीम से जेता अवसरों का बाकई बचुड़ी करा दिया, अब
विज्ञानागम व वाणिज्य विज्ञानागम की कोई एक व दोषा निस्वा
आजाजी बचुड़ा न दिया वनदाश के जेता से बाकी नहीं रह,
अगर कोई मकल दावा करे तो वह निम्नजुल माजाना होवे, और
अगर आजाजी बचुड़ा पूर्ण अकल रहलन कोई अंश जेता के
स्वामित्व एवं अधिकारों से निकल जावे का कच्चा न मिले का कड़ी
विज्ञान, हिम, कनगाद, कुकी व जमानत आदि से बासित बाकी
जाती है तो ऐसी स्थिति में जेता को अधिकतर होगा कि वह अपना

रजिस्ट्रार
रजिस्ट्रार
रजिस्ट्रार



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

000127



- 10 -

मूल निवास धनराशि मय हर्जा-खर्चा व नुकसान के साथ विवेकागण व वादिसान विवेकागण से व विवेकागण की अन्य सम्पत्ति बाब व अदालत से जरूरी न्यायालय प्राप्त कर लेवे, इससे विवेकागण व वादिसान विवेकागण को कोई अवलंब नहीं होगी।

अब जेता व्यक्ती को यह अधिकार है कि वह निम्नलिखित आदेशों के समक्ष में समस्त सरकारी अभिलेखों में अपने नाम नोटिफ-साटिब करवा लेवे।

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page, including a circular stamp with 'UTTAR PRADESH' and '000127'.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

3 470432



- 11 -

आराजी आराका में खती होती है, आराजी अपरोक्त में
पेठ, हथुबेल, कुआं व हमारत आदि नहीं है। आराजी अपरोक्त के
200 मीटर त्रिज्या में कोई निर्माण आदि नहीं है।

आराजी अपरोक्त किसी सिक मार्ग जनपदीय मार्ग व
राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नहीं है।

आराजी स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर बुरावल, परगना-
खिजनीर के अधिकांसीय क्षेत्र के विभिन्न ग्राम के अन्तर्गत आता है
जो नगर निगम सीमा के अंदर स्थित है जिसकी कुल भूमि की
बाजराऊ कीमत 13,75,000/- रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से

Signature

र. किरा

Official Stamp and Signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

H 413244

- 12 -



निर्धारित है लेकिन यहाँ बक्की खरीदार है इसलिए 25 परिवारों
 काफ़र रु० 17,18,750/- प्रति हेक्टर होता है जिसके अनुसार
 मिलीत भूमि रु० 6,488 हेक्टर भूमि की मात्रा का मालिक रु०
 8,55,938/- होता है जो कि विज्ञापन मुख्य से कम है, अतः
 नियमानुसार विज्ञापन मुख्य पर जंगल रु० 2,46,100/-
 के अदा किये जा रहे हैं।

असीमित आवासीय मुख्य मार्ग सुजानपुर रोड से 500 मीटर
 से अधिक दूरी पर स्थित है।

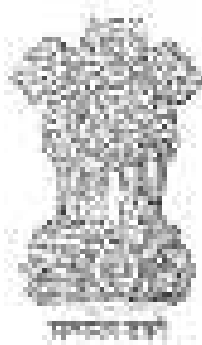
रजिस्ट्रार
 रजिस्ट्रार

रजिस्ट्रार
 रजिस्ट्रार

भारतीय नगर न्यायिक

एक सौ रुपये

रु. 100



Rs. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

R 560084

- 13 -

विश्लेषण अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। उक्त आराजी किन्हीं योजना व किसी सरकारी व अर्ध सरकारी संस्था द्वारा अविगृहीत नहीं है।

विवरण भुगतान

विश्लेषण को रु. 24,60,120/- (छमया बाबील लाल साठ हजार एक सौ बीस पचास) द्वारा एक संस्था क्रमशः-594039, 594040, 594041 दिनांकित 23.08.2007 पंजाब नेशनल बैंक शाखा हजूरगंज, जलनक कैंटा से प्राप्त हुए।

आवकियाँ व भुगतान

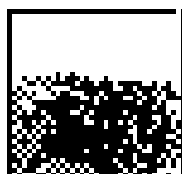
रु. 24,60,120/-
रु. 24,60,120/-

रु. 24,60,120/-

10/15/19

45 214155 1050

ಹಾಗೆ 13.27 ರವರೆಗೆ 47.11:4



इस प्रकार कुल मिलित मूल्य रु० 24,60,120/- (चत्वारस पचास लाख साठ हजार एक सौ बीस मात्र) विक्रेतागण ने जेता से वसूल पाया।

लिहाजा यह बस्तामेज विक्रेतागण ने अपनी खुशी व सज्जमन्दी से खूब सौच व समझकर बिना किसी दबाव के, जेता उपरीक्त के पक्ष में लिख दिया ताकि सदन छे और बकत जरूरत पर योग्य आवे।

अतः आज ठमस पक्षों ने इस मिलित मिलित पर अपने-अपने हस्ताक्षर करके इसे निश्चादित किया।

दिनांक: 25.08.2007

लखनऊ

गवाहगण:-

1. राजेश कुमार शर्मा
5/6 - राजेश कुमार शर्मा
राजेश कुमार शर्मा - राजेश कुमार शर्मा

राजेश कुमार शर्मा
राजेश कुमार शर्मा
राजेश कुमार शर्मा
विक्रेतागण

2. सुभाष कुमार शर्मा
राजेश कुमार शर्मा - राजेश कुमार शर्मा

सुभाष कुमार शर्मा
सुभाष कुमार शर्मा

राजेश कुमार शर्मा

(राजेश कुमार शर्मा)
सिविल कोर्ट, लखनऊ

महाविदाकर्ता:

(सुभाष कुमार शर्मा)
एडवोकेट.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

५१ ५२

۱۴۰۰

[illegible]

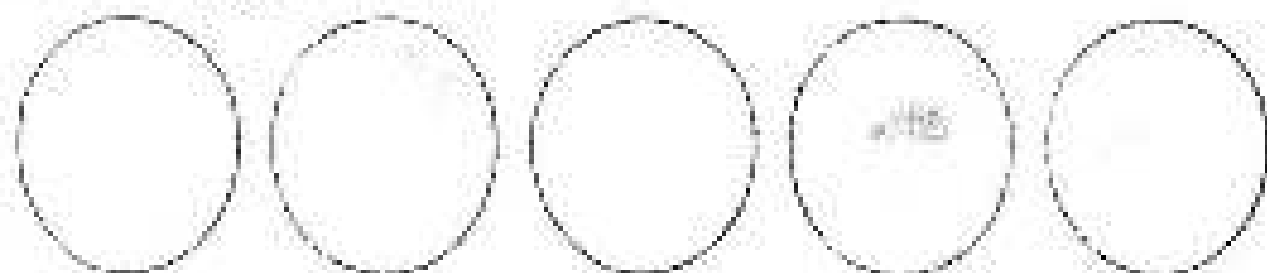
सिखेसुखी, तिब्बत 1900 की मारा - 32 30 के अक्षान्तर है।

डिजिटल प्रिन्ट्स

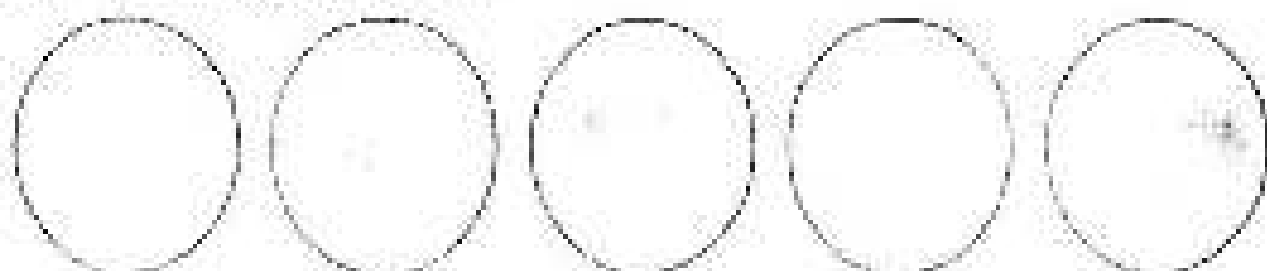
संयोजक / लेखक का नाम - सुखदेव श्री सनीराम

सुखदेव के पुत्र का नाम सुखदेव सुखदेव सुखदेव

यदि आप के अंगुलि के चिह्न -



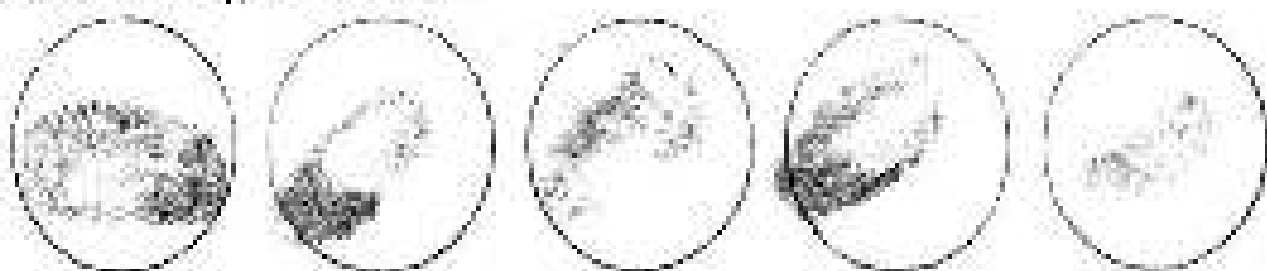
बाहिरी हाथ के अंगुलियों के चिह्न -



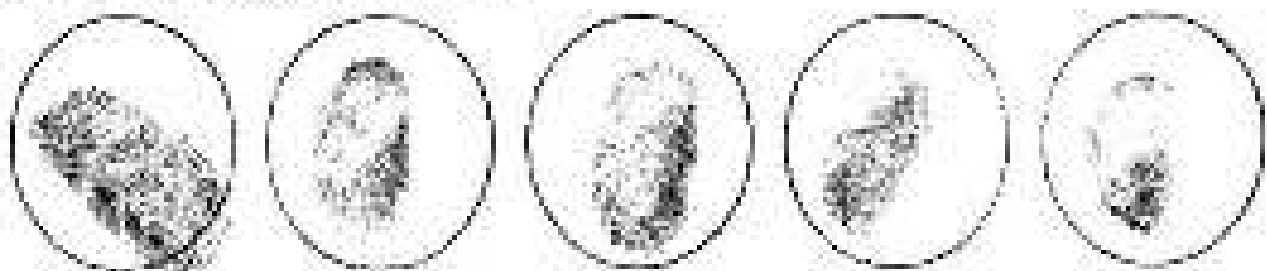
संयोजक / लेखक का नाम - सुखदेव श्री सनीराम

सुखदेव के पुत्र का नाम सुखदेव सुखदेव सुखदेव

यदि आप के अंगुलि के चिह्न -



बाहिरी हाथ के अंगुलियों के चिह्न -



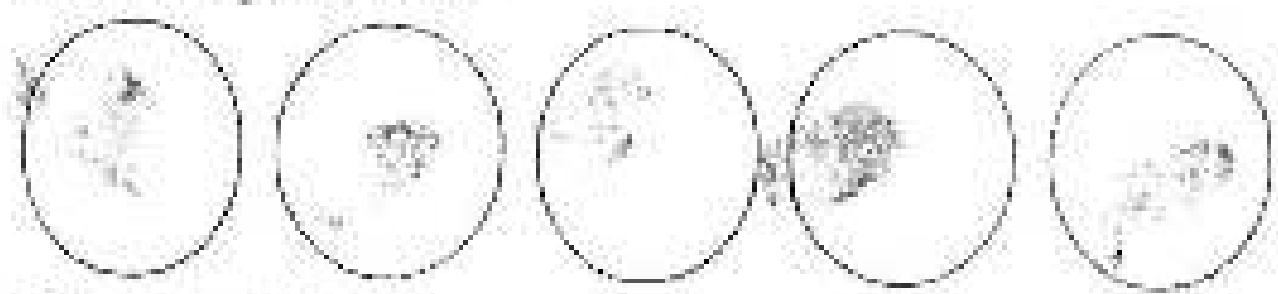
सुखदेव

संयोजक / लेखक के अक्षान्तर

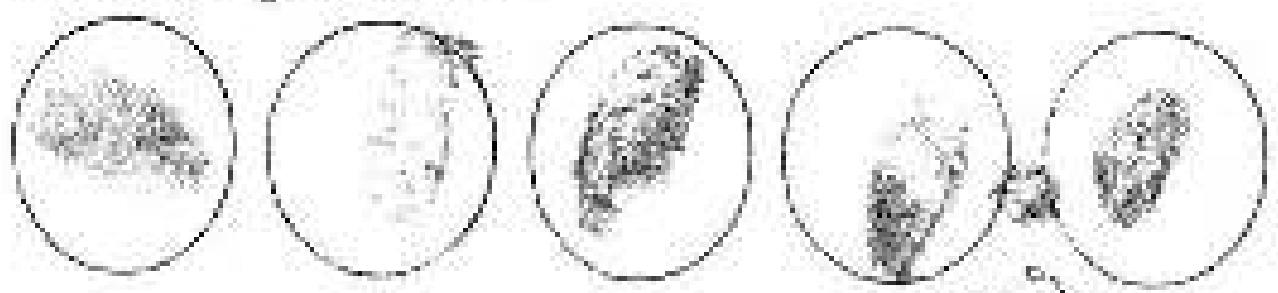
संस्कृत-अंक 1001 वि.सं. 32 50 75 अंगुलि-दिश

विमर्श विन्दु

प्रत्यक्ष/विमर्श : ... विमर्श विन्दु ...
विमर्श विन्दु ...
 एवं हाथ के अंगुलि के दिश :-

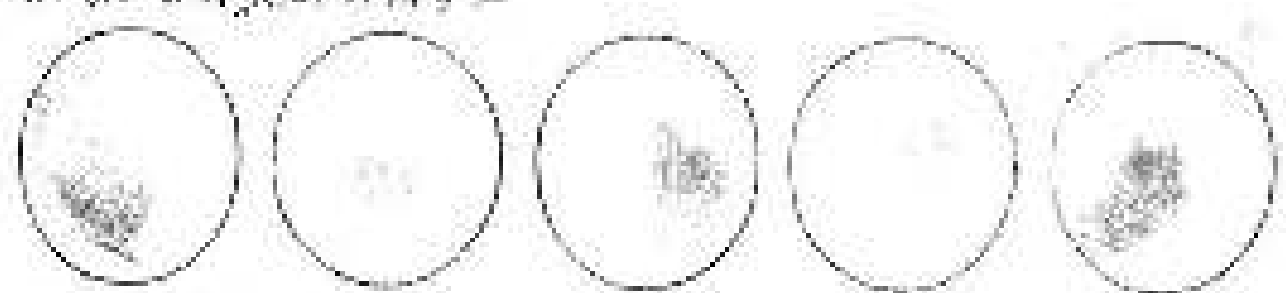


बाहिरे हाथ के अंगुलि के दिश :-

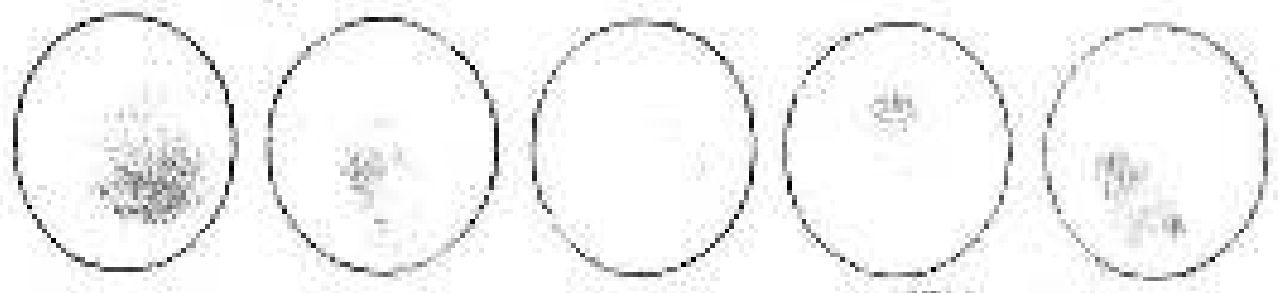


प्रतिफल

प्रत्यक्ष/विमर्श : ... विमर्श विन्दु ...
विमर्श विन्दु ...
 एवं हाथ के अंगुलि के दिश :-



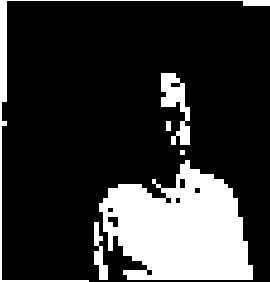
बाहिरे हाथ के अंगुलि के दिश :-



प्रतिफल

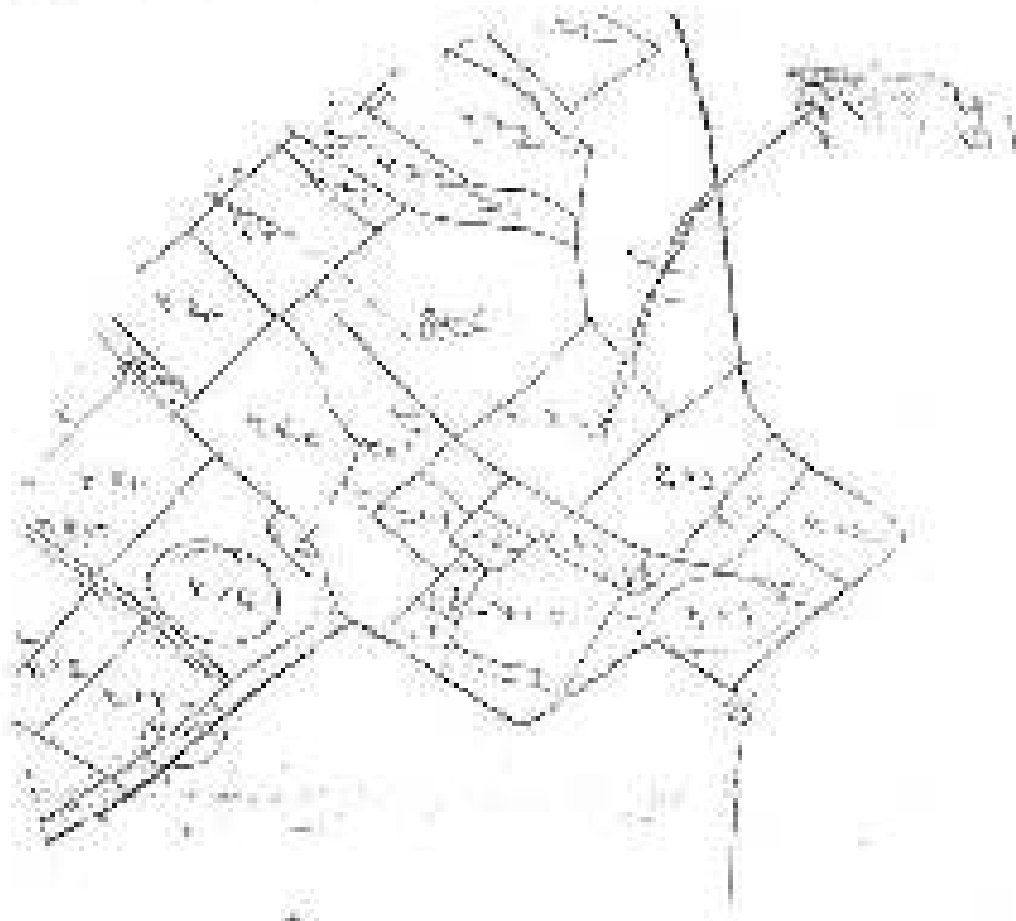
विमर्श/विमर्श

જાણ

Registration No	સર્જક	Year :	2007	Book No	1
05201	કલ્પાત્મક ગદ્યની એક નવલ કથા અસંલેખન સ્વરૂપે અને ગદ્ય રૂપે 1. સ્વર્ણ સ્વર્ણ ગદ્ય સ્વર્ણ ગદ્ય	 			

प्रश्न : मुख्य कदम के लिए चुनने का
 अवधि : 573, 574, 575, 576
 विभाग : मुख्य कदम के लिए
 वर्ष : 2012

निम्नलिखित संचयन के लिए निम्नलिखित अवधि अवधि के लिए



निम्नलिखित संचयन के लिए
 निम्नलिखित

Joint Project & Administration
 Joint Project

Joint Project

अन्य दिनांक 16/09/2007 को

पृष्ठ नं 1 दिनांक 8572

पृष्ठ नं 89 नं 122 का क्रमांक 82406

वैकल्पिक विधि ग्राह्य ।

एच.के.गान्धेय

एन.मिशनर (प्रथम)

लखनऊ

10/09/07